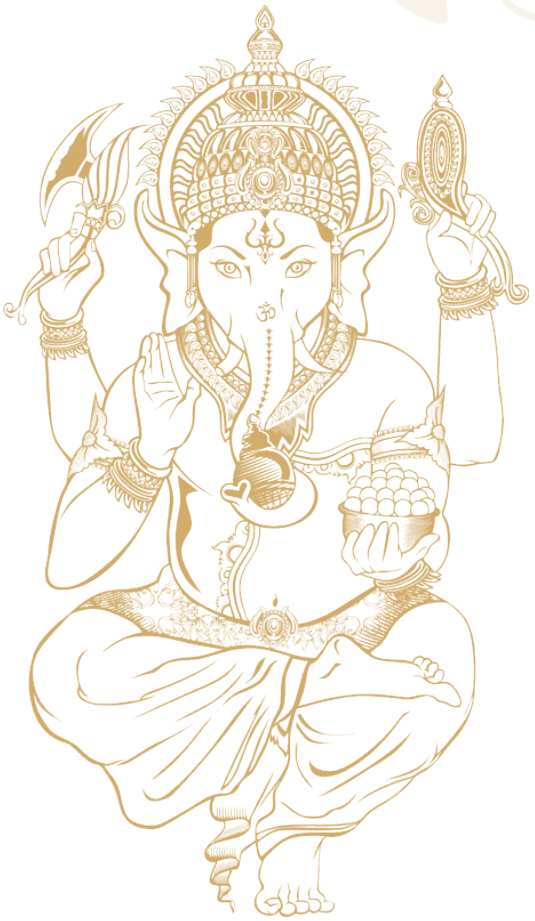

Adity

22 Apr 2001

12:10 AM

Simla

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 121962003

स्त्रीलिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
21-22/04/2001	जन्म तिथि	**22/04/2026**
शनि-रविवार	दिन	बुधवार
घंटे 00:10:00	जन्म समय	09:57:21 घंटे
घटी 45:56:48	जन्म समय(घटी)	10:27:40 घटी
India	देश	India
Simla	स्थान	Simla
उत्तर 31:06:00	अक्षांश	31:06:00 उत्तर
पूर्व 77:10:00	रेखांश	77:10:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:20	स्थानिक संस्कार	-00:21:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:47:16	सूर्योदय	05:46:16
18:54:02	सूर्यास्त	18:54:00
23:52:13	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:34

धनु	लग्न	मिथुन
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	बुध
मीन	राशि	मिथुन
गुरु	राशि-स्वामी	बुध
उ०भाद्रपद	नक्षत्र	आर्द्रा
शनि	नक्षत्र स्वामी	राहु
4	चरण	2
वैधृति	योग	सुकर्मा
विष्टि	करण	कौलव
ञ--	जन्म नामाक्षर	घ-घटी
वृष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष
विप्र	वर्ण	शूद्र
जलचर	वश्य	मानव
गौ	योनि	श्वान
मनुष्य	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	आद्य
सिंह	वर्ग	मार्जार
25	गत/तत्कालिक वर्ष	26

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ
पूर्वाषाढ़ा	2	17:24:10	धनु		
अश्विनी	3	07:50:27	मेष		
उ०भाद्रपद	4	15:42:11	मीन		
मूल	1	02:56:34	धनु		
अश्विनी	2	06:00:04	मेष		अ
रोहिणी	3	17:41:55	वृष		
उ०भाद्रपद	2	07:38:08	मीन		
कृतिका	3	06:13:56	वृष		
आर्द्रा	3	14:56:39	मिथु	व	
पूर्वाषाढ़ा	1	14:56:39	धनु	व	
धनिष्ठा	3	00:23:19	कुंभ		

वर्ष - विवरण

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न			मिथु	14:14:29	3	आर्द्रा
सूर्य			मेष	07:50:27	3	अश्विनी
चंद्र			मिथु	12:41:06	2	आर्द्रा
मंगल			मीन	15:22:04	4	उ०भाद्रपद
बुध		अ	मीन	16:25:12	4	उ०भाद्रपद
गुरु			मिथु	23:32:31	2	पुनर्वसु
शुक्र			वृष	03:21:38	3	कृतिका
शनि			मीन	13:54:11	4	उ०भाद्रपद
राहु	व		कुंभ	13:10:09	2	शतभिषा
केतु	व		सिंह	13:10:09	4	मघा
मु			मक	17:24:10	3	श्रवण

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:34

लग्न-चलित

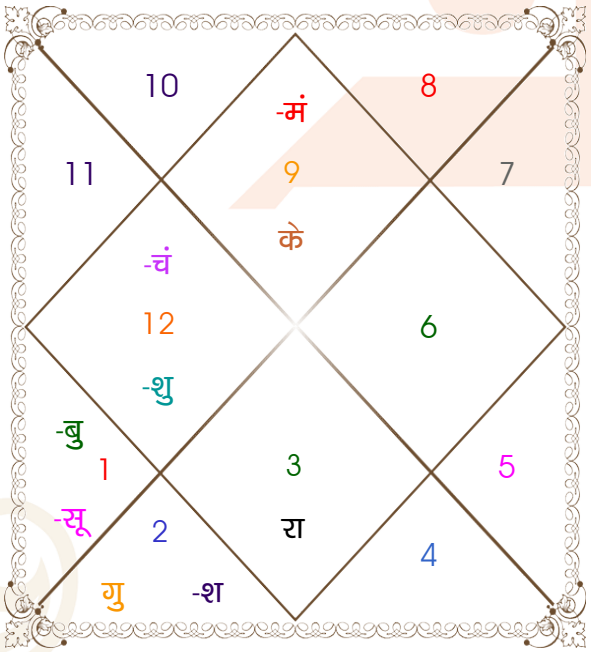

वर्ष लग्न कुंडली

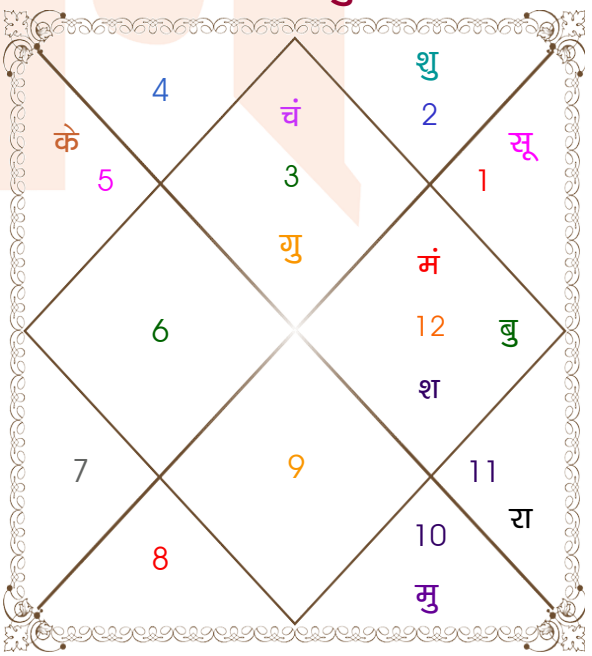

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

केतु - बुध - राहु	
29/03/2026 12:32	
22/05/2026 20:28	
राहु	06/04/2026 16:07
गुरु	13/04/2026 21:59
शनि	22/04/2026 12:26
बुध	30/04/2026 05:10
केतु	03/05/2026 09:14
शुक्र	12/05/2026 10:33
सूर्य	15/05/2026 03:45
चंद्र	19/05/2026 16:25
मंगल	22/05/2026 20:28

केतु - बुध - गुरु	
22/05/2026 20:28	
10/07/2026 03:32	
गुरु	29/05/2026 07:01
शनि	05/06/2026 22:32
बुध	12/06/2026 18:44
केतु	15/06/2026 14:21
शुक्र	23/06/2026 15:31
सूर्य	26/06/2026 01:28
चंद्र	30/06/2026 02:04
मंगल	02/07/2026 21:41
राहु	10/07/2026 03:32

केतु - बुध - शनि	
10/07/2026 03:32	
05/09/2026 11:55	
शनि	19/07/2026 05:28
बुध	27/07/2026 08:27
केतु	30/07/2026 16:44
शुक्र	09/08/2026 06:08
सूर्य	12/08/2026 02:57
चंद्र	16/08/2026 21:39
मंगल	20/08/2026 05:57
राहु	28/08/2026 20:24
गुरु	05/09/2026 11:55

शुक्र - शुक्र - शुक्र	
05/09/2026 11:55	
27/03/2027 09:55	
शुक्र	09/10/2026 07:35
सूर्य	19/10/2026 11:05
चंद्र	05/11/2026 08:55
मंगल	17/11/2026 05:00
राहु	17/12/2026 15:30
गुरु	13/01/2027 16:50
शनि	14/02/2027 19:55
बुध	15/03/2027 13:50
केतु	27/03/2027 09:55

शुक्र - शुक्र - सूर्य	
27/03/2027 09:55	
27/05/2027 06:55	
सूर्य	30/03/2027 10:58
चंद्र	04/04/2027 12:43
मंगल	08/04/2027 01:57
राहु	17/04/2027 05:06
गुरु	25/04/2027 07:54
शनि	04/05/2027 23:13
बुध	13/05/2027 14:12
केतु	17/05/2027 03:25
शुक्र	27/05/2027 06:55

शुक्र - शुक्र - चंद्र	
27/05/2027 06:55	
05/09/2027 17:55	
चंद्र	04/06/2027 17:50
मंगल	10/06/2027 15:53
राहु	25/06/2027 21:08
गुरु	09/07/2027 09:48
शनि	25/07/2027 11:20
बुध	08/08/2027 20:18
केतु	14/08/2027 18:20
शुक्र	31/08/2027 16:10
सूर्य	05/09/2027 17:55

शुक्र - शुक्र - मंगल	
05/09/2027 17:55	
15/11/2027 18:25	
मंगल	09/09/2027 21:21
राहु	20/09/2027 13:01
गुरु	30/09/2027 00:17
शनि	11/10/2027 06:10
बुध	21/10/2027 07:38
केतु	25/10/2027 11:04
शुक्र	06/11/2027 07:09
सूर्य	09/11/2027 20:23
चंद्र	15/11/2027 18:25

शुक्र - शुक्र - राहु	
15/11/2027 18:25	
16/05/2028 09:25	
राहु	13/12/2027 03:52
गुरु	06/01/2028 12:16
शनि	04/02/2028 10:15
बुध	01/03/2028 07:10
केतु	11/03/2028 22:51
शुक्र	11/04/2028 09:21
सूर्य	20/04/2028 12:30
चंद्र	05/05/2028 17:45
मंगल	16/05/2028 09:25

शुक्र - शुक्र - गुरु	
16/05/2028 09:25	
25/10/2028 17:25	
गुरु	07/06/2028 00:53
शनि	02/07/2028 17:45
बुध	25/07/2028 17:41
केतु	04/08/2028 04:57
शुक्र	31/08/2028 06:17
सूर्य	08/09/2028 09:05
चंद्र	21/09/2028 21:45
मंगल	01/10/2028 09:01
राहु	25/10/2028 17:25

शुक्र - शुक्र - शनि	
25/10/2028 17:25	
06/05/2029 11:55	
शनि	25/11/2028 05:57
बुध	22/12/2028 13:22
केतु	02/01/2029 19:15
शुक्र	03/02/2029 22:20
सूर्य	13/02/2029 13:39
चंद्र	01/03/2029 15:12
मंगल	12/03/2029 21:05
राहु	10/04/2029 19:03
गुरु	06/05/2029 11:55

शुक्र - शुक्र - बुध	
06/05/2029 11:55	
25/10/2029 23:25	
बुध	30/05/2029 22:21
केतु	09/06/2029 23:49
शुक्र	08/07/2029 17:44
सूर्य	17/07/2029 08:43
चंद्र	31/07/2029 17:40
मंगल	10/08/2029 19:08
राहु	05/09/2029 16:04
गुरु	28/09/2029 16:00
शनि	25/10/2029 23:25

शुक्र - शुक्र - केतु	
25/10/2029 23:25	
04/01/2030 23:55	
केतु	30/10/2029 02:51
शुक्र	10/11/2029 22:56
सूर्य	14/11/2029 12:09
चंद्र	20/11/2029 10:12
मंगल	24/11/2029 13:38
राहु	05/12/2029 05:18
गुरु	14/12/2029 16:34
शनि	25/12/2029 22:27
बुध	04/01/2030 23:55

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से रूधिर या पित्तजनित रोगों से आप कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करेंगे जिससे शरीर में दुर्बलता रहेगी तथा स्वभाव में क्रोध के भाव की भी अधिकता रहेगी। इस समय आप जो भी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य प्रारंभ करेंगे उनसे आपको अनावश्यक समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा। अतः मानसिक रूप से भी आप परेशान तथा व्याकुल रहेंगे जिससे मन में अशान्ति का भाव विद्यमान रहेगा। शत्रुपक्ष से भी इस समय आप चिन्तित रहेंगे तथा घर में किसी चोरी आदि की संभावना रहेगी। इसके अतिरिक्त आग या दुर्घटना के द्वारा भी हानि हो सकती है। इस समय आपकी बुद्धि भी मध्यम रहेगी तथा कार्यो को शीघ्रता पूर्वक सम्पन्न करेंगे जिससे लाभ की अपेक्षा हानि की संभावना अधिक रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय व्यापार में हानि तथा समस्याएं रहेंगी जिससे लाभ मार्ग अवरूद्ध होंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी आपकी उन्नति में विलम्ब होगा तथा व्यवधान भी उत्पन्न होंगे। इस वर्ष में आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में न्यूनता रहेगी तथा किसी मिथ्या अपवाद के द्वारा आपको मान हानि का भी सामना करना पड़ सकता है। आर्थिक दृष्टि से भी वर्ष अच्छा नहीं रहेगा तथा परिश्रम पूर्वक ही आप आवश्यक धनार्जन कर सकेंगे परन्तु व्ययाधिक्य के कारण इसमें कोई विषमता भी उत्पन्न होगी। इसके अतिरिक्त प्रेम संबंधों में भी आप असफलता प्राप्त करेंगे तथा उद्देश्यहीन दूर की यात्राएं भी सम्पन्न होंगी। अतः इस वर्ष को शान्ति एवं बुद्धिमता से व्यतीत करें जिससे समस्याओं में न्यूनता रहेगी।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर शारीरिक कष्ट एवं परेशानी की आप अनुभूति करेंगी। इससे शरीर में कमजोरी रहेगी तथा स्वाभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा फलतः सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में आप परेशानी की अनुभूति करेंगी।शत्रु पक्ष भी इस समय आपसे प्रबल रहेगा तथा उनसे आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगी तथा ये प्रत्येक क्षेत्र में आपके लिए परेशानियां उत्पन्न करेंगे। इस वर्ष में आपके घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी अतः इससे पूर्ण सावधान रहें।देवता तथा ब्राहमणों के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक प्रवृतियों की आप उपेक्षा करेंगी।साथ ही मानसिक रूप से भी आपको परेशानी की अनुभूति होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर इसमें अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न होंगी। नौकरी या राजनीति में आपके उच्चाधिकारी या वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट रहेंगे अतः इस समय इनकी उपेक्षा न करें। साथ ही व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें एवं किसी नए कार्य पर व्यय न करें अन्यथा हानि की संभावना रहेगी। अतः अपने कार्यो को बुद्धिमता पूर्वक सम्पन्न करें। इस समय आपको किसी मुकद्दमे या चुनाव आदि में भी पराजय का सामना करना पड़ सकता है।साथ ही दूर समीप की कोई यात्रा भी हो सकती है लकिन इससे कोई विशेष लाभ नहीं होगा। अतः ऐसे समय में आप धैर्य तथा शान्ति पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करेंगी तभी अशुभ फलों में न्यूनता होगी।